महत्वपूर्ण एवं खास

प्रेम प्रसंग में असफल युवती ने जहर सेवन की आत्महत्या

जगदलपुर (आरएनएस)। एक 22 वर्षीय युवती ने घर से 7 किमी दूर रहने वाले युवक के घर जाकर जहर खा लिया, जिससे उसकी मौत हो गई। युवती की सहेलियों ने बताया कि जिस युवक के घर मे उसने जहर खाया था, उसी युवक के साथ काम करने के लिए आंध्रप्रदेश काम करने के लिए गई थी, वहाँ पर दोनों पति पत्नी की तरह रह रहे थे। लेकिन उसके बाद क्या हुआ किसी को पता नही, और यहाँ आने के बाद युवती ने जहर खाकर अपनी जान दे दी। पुलिस के मुताबिक लोहंडीगुडा थाना क्षेत्र के ग्राम अलनार पदामीपारा में रहने वाली दसरी पिता स्वगीय जगरु कश्यप और मिचनार निवासी मडडा पोडियामी के साथ 4 माह पहले काम करने के लिए आन्ध्रप्रदेश गए हुए थे। दोनों वहां पर पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। 2 हफ्ते पहले युवती वहाँ से लौटकर अपने घर ना जाकर युवक के घर चली गई। युवक के बड़े भाई कोदा व तुलु ने युवती के परिजनों को इस बात की जानकारी दी। परिजन युवक के घर पहुंचे और इस रिश्ते के लिए भी तैयार हो गए। युवती अपने घर कुछ दिन पहले जात्रा में गई थी। वहां से लौटने के बाद कल शाम उसने जहर खा लिया, कुछ देर के बाद उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस घटना स्थल पर पहुंची। युवती की आत्महत्या की वजह का पता नहीं चली है।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

दुर्ग (आरएनएस)। एक युवक की शनिवार के तड़के ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना उरला रेल्वे क्रासिंग से आधा किलामीटर पहले की हैं। यह मामला दुर्घटना का हैं या खुदकुशी का, फिरहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया हैं। मोहननगर पुलिस ने मर्ग कायम् कर मामले को जाँच पर लिया हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मृतक शंकरमणि साहू 38 वर्ष पिता रूपलाल साहू रामनगर उरला का निवासी था। बताया गया हैं कि शनिवार के तड़के 4 बजे वह सोकर उठा और कही जाने घर से बाहर निकला। जिसे बाहर निकलते उसकी पुत्री यामिनी ने देख लिया और अपने बड़े पापा पुरनलाल को जानकारी दी। पुरनलाल उसे ढुंढने निकला, लेकिन शंकरमणि का कुछ पता नहीं चला। इस बीच पुरनलाल को किसी युवक के उरला रेल्वे क्रासिंग के पास ट्रेन की चपेट में आने से मौत होने की खबर मिली। जहाँ जाकर उसने देखा तो उसका छोटा भाई शंकरमणि साहू मृत मिला। ट्रेन की चपेट में आने से शंकरमणि के सिर व दांहिने पैर में गंभीर चोटे आई थी। जो उसकी मौत का कारण बना। बताया गया मृतक शंकरमणि साहू विवाहित था। उसके दो बच्चे हैं। मोहननगर पुलिस ने मर्ग कायम् कर मामले को जाँच पर लिया है।

नोकोनिया तालाब में युवती ने लगाई छलांग, 112 की टीम ने बचाया

कोरबा (आरएनएस)। पाली में ऐतिहासिक शिव मंदिर के तट पर स्थित नौकोनिया तालाब में अचानक एक युवती ने छलांग लगा दी और डूबने लगी। घटना की सूचना बाद डॉयल 112 की टीम मौके पर पहुंची और युवती को बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार जटगा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम केशलपुर निवासी युवती आरती पोर्ते पिता सुखनंदन पोर्ते बिलासपुर जिले के कोटा स्थित रमन यूनिवर्सिटी में अंतिम वर्ष की छात्रा है। आज वह कोटा से वापस अपने गृहग्राम जाने के दौरान पाली स्थित पुरातन शिवमंदिर के समीप बस से उतर गई तथा उटपटांग हरकत करते हुए सुबह 11 बजे अचानक नौकोनिया तालाब में छलांग लगा दी और डूबने लगी। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल डॉयल 112 को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुँची 112 की टीम के आरक्षक क्रमांक 517 महेंद्र चंद्रा, वाहन चालक आनंद सिंह कंवर व थाना स्टाफ आरक्षक क्रमांक 745 संजय कुमार साहू ने तालाब में कूदकर डूब रही युवती को सुरक्षित बाहर निकाला। पाली थाना प्रभारी ने बताया कि युवती दिमागी रूप से कुछ डिस्टर्ब लग रही है। उसके परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई थी, जिनके पहुंचने उपरांत आवश्यक कार्रवाई बाद युवती को सुपुर्द कर दिया गया।

हाथियों ने कलमीटिकरा में रौंदी फसल

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कोरबा के पसरखेत रेंज के बासीन में दो दिनों से विचरण कर रहे 20 गजराजों का दल बीती रात रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ की ओर रुख कर गया। वहां पहुंचने से पहले हाथियों ने बीच रास्ते में भारी उत्पात मचाया और कलमीटिकरा में अनेक किसानों के धान की फसल रौंद दी। फसल रौंदे जाने की सूचना आज सुबह वन विभाग को दिए जाने पर विभाग का अमला कलमीटिकरा पहुंचा और नुकसानी का सर्वे करने के साथ ही प्रकरण बनाने की कार्रवाई प्रारंभ की है।

नाबालिग बच्ची के साथ पुलिसकर्मी ने किया दुष्कर्म

कवर्धा। कबीरधाम पुलिस फिर से शर्मसार हुआ है। इस बार खुद एक पुलिसकर्मी के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप लगे है। पुलिस ने ही आरक्षक के खिलाफ थाना में मामला दर्ज किया है। यह मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है। कोतवाली थाना से मिली जानकारी अनुसार विभाग के आरक्षक अमित गौतम के खिलाफ नाबालिग बच्ची ने दुष्कर्म के आरोप लगाए है।

गंभीर आरोप होने के कारण कोतवाली थाना ने आरक्षक अमित गौतम के खिलाफ पास्को एक्ट व धारा 376 के तहत मामला दर्ज किया है। मामला दर्ज होने के बाद से ही आरोपित आरक्षक फरार बताया जा रहा है। यह आरक्षक पूर्व में क्राइम ब्रांच में काम करता था, लेकिन ब्रांच को भंग करने से बाद इसकी ड्यूटी डॉयल 112 में लगाई गई थी।

वर्दी का दिखाता था रुबता, धमकी देकर किया दुष्कर्म

आरोपित आरक्षक पुलिस विभाग में होने के कारण वर्दी का रुतबा दिखाता था। यहीं कारण है कि आरोपित ने नाबालिग बधी के साथ धमकी दिया व घर में ही दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। बधी ने अपने साथ हुए घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसे देखते हुए परिजनों ने शुक्रवार को कोतवाली थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ धारा 376, 506 बी बालको संरक्षण अधिनियम 2012 की धारा 5 व 6 पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कर्रवाई की।

शिकायत के बाद कार्रवाई नहीं, जवानों का हौसला बुलंद

कबीरधाम पुलिस में करीब 900 से अधिक कर्मचारी है। इसमें कई कर्मचारियों के खिलाफ कई आरोप लगे है, लेकिन आमजन द्वारा शिकायत करने के बाद कोई कार्रवाई नहीं होती है। यही कारण है कि पुलिसकर्मी के हौसला बुलंद है। बीते दो माह में ही पुलिसकर्मी के खिलाफ मारपीट, लूट आत्महत्या के

लिए प्रेरित करने के आरोप लग चुके है, लेकिन विभाग द्वारा पुलिसकर्मी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किया जाता। कार्रवाई नहीं होने व वर्दी का रुतबा दिखाकर जवान अपराध में शामिल हो रहे हैं।

मां की बगल में सो रहा बच्चा हुआ अगवा

जगदलपुर (आरएनएस)। लोहंडीगुड़ा क्षेत्र के बहारगुड़ा पारा में पांच माह के दुधमुंहे बच्चे को अगवा करने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जा रहा है कि कोई अज्ञात व्यक्ति बच्चे को अगवा कर फरार हो गया, जिसके बाद पुलिस क्षेत्र में नाकेबंदी कर आरोपी और बच्चे की तलाश कर रही है। घटना के बाद से आसपास के इलाके में दहशत का माहौल है। एसडीओपी लोहंडीगुडा राकेश कुमार ने बताया कि उक्त पारा में शनिवार की दोपहर तकरीबन दो बजे जब बच्चे की माँ लछ्नी अपने बच्चे के साथ सोयी हुई थी और उसका दादा खेत में बाड़ी बना रहा था, उस वक्त किसी अनजान व्यक्ति द्वारा घर में घुस कर सोये हुए पांच माह के दुधमुंहे बच्चे सुजीत को अगवा कर लिया गया।

वारंटियों की गिरफ्तारी

कोरबा (आरएनएस)। जिला पुलिस द्वारा अपराधियों की धरपकड़ और अपराध पर नियंत्रण हेतु जिला पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा के मार्गदर्शन में लगातार काम्बिंग गश्त और पेट्रोलिंग की जा रही है। डीएसपी मुख्यालय रामगोपाल करियारे ने बताया कि थाना और चौकी प्रभारियों को सतत रूप से निर्देशित किया जा रहा है कि कोई भी अपराधी कानून के गिरफ्त से बाहर न रहे। इसके लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा वारंट सेल का गठन भी किया गया है और मुखबिर लगाकर लगातार अपराधियों की धरपकड़ भी की जा रही है । इसी उद्देश्य से 10 मई को जिले के सभी थाना, चौकी और सहायता केंद्रों के क्षेत्रान्तर्गत काम्बिंग गश्त पुलिस अधिकारियों और जवानों द्वारा किया जाकर 2 स्थायी और 3 गिरफ्तारी वारंट के वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

तेंदुए की खाल समेत तीन युवक गिरफ्तार

कवर्धा । कबीरधाम जिले में वन्य प्राणी के शिकार का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी शिकारियों ने करंट लगाकर दो मवेशी सहित तेंदुए का शिकार किया था। इस घटनाक्रम को बीते अभी कुछ माह नहीं हुए की फिर से तेंदुए का शिकार कर शिकारी उसकी खाल को बेचने ग्राहक की तलाश कर रहे थे। कबीरधाम जिले के वनांचल क्षेत्रों में कई प्रकार के वन्य जीव निवास करते हैं और इनकी सुरक्षा को लेकर विभाग द्वारा एक बड़ी रकम भी खर्च की जाती है। इसके साथ ही जिन स्थानों पर ज्यादातर वन्य प्राणियों की चहलकदमी बनी रहती है। उन स्थानों का चयन कर ट्रैप कैमरा भी लगाया जाता है।

बावजूद इसके शिकारी वन्य प्राणियों का शिकार आसानी से कर पा रहे है। जो विभाग की कार्यप्रणाली पर प्रश्नवाचक चिन्ह सा लग रहा है। ज्ञात हो कि स.लोहारा क्षेत्र में आज तीन लोगों के द्वारा वन्य प्राणी तेंदुए की खाल को काले रंग के बैग में रखकर ग्राहक की तलाश की जा रही थी, लेकिन तीनों आरोपियों को सहसपुर लोहारा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर टीम बनाकर बड़ी सजगता से पकड़

में ले लिया है।

थाना से गठित टीम ने बानो फॉरेस्ट डिपो सहसपुर लोहारा के पास मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के अनुसार वहां तीन व्यक्ति खड़े हुए मिले। जिनके पास बैग में तेंदुए की खाल रखी हुई थी।

350 मासूमों से मंगा रहे थे भीख, विभाग ने छापा मारा तो हुआ खुलासा

रायपुर। तिल्दा नगर की तीन नट बस्तियों के 380 परिवारों के लगभग साढ़े तीन सौ बच्चे बसों और ट्रेनों में भिक्षावृत्ति करते हैं। यह दास्तान नईदुनिया ने प्रमुखता से प्रकाशित की। इसे संज्ञान में लेते हुए शुक्रवार की सुबह महिला एवं बाल विकास विभाग और पुलिस की टीम ने तिल्दा के अटल निवास, देवार मोहल्ला और शिक्षा कॉलोनी में छापा मारा तो वहां हड़कंप मच गया।

अधिकारियों की टीम के अचानक आने से वे घबरा गए। उनके दरवाजे पर टीम के साथ सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं ने दस्तक दी तो वे एकजुट होकर विरोध पर उतारू हो गए। पुलिस ने उन्हें अपने बच्चों के साथ एक जगह एकत्रित किया। इसके बाद नट और देवार बस्ती के लोगों को समझाइश देने का सिलसिला चला।

इस पर उन्होंने बताया- हमारे सामने सबसे बड़ी परेशानी गृहस्थी चलाने की है। न तो राशन कार्ड है और न ही श्रमिक कार्ड है। ऐसे में चाहकर भी कुछ नहीं कर पाते। इनकी समस्या सुनने के बाद अफसरों ने कहा-बच्चों से भिक्षावृत्ति न कराएं, अभी प्राथमिक स्तर पर आंगनबाड़ी में दाखिला कराएं।

इसके बाद राशनकार्ड और श्रमिक कार्ड बनवाया जाएगा। स्वरोजगार करने के लिए कौशल विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। हर एक सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके बाद वे मान गए और खुद आंगनबाड़ी जाकर 80 बच्चों का दाखिला कराया।

बस्ती में टीम पहुंची तो अधिकतर महिला-पुरुष नशे में मिले। उन्हें अपने बच्चों के कहीं भी आने-जाने की सुध नहीं। इन्हीं लोगों में एक सिंडीकेट है, जो कुछ पैसे और नशा करने का साधन उपलब्ध कराने के नाम पर बच्चों को भिक्षावृत्ति के लिए ले जाता है। शाम तक बच्चों को लाकर घर छोड़ देता है।

बस्तर से अपने मूल ठिकानों की ओर लौटने लगे प्रवासी पक्षी

जगदलपुर (आरएनएस)। बस्तर में शीतकाल में आये सफेद पंखों वाले हेडेड गल पक्षी अब ग्रीष्मकाल में प्रजनन के लिए अपने मूल निवास की ओर लौट रहे हैं। जानकारी के अनुसार ये पक्षी मंगोलिया, चीन, तिब्बत सहित कई देशों से यहां शीतकाल में अनुकुल वातावरण में रहने के लिए आते हैं। इस समय स्थानीय दलपत सागर तालाब में करीब 15- 20 की संख्या में ये पक्षी दो तीन दिन पूर्व देखे जा रहे थे।

उल्लेखनीय है कि इस संबंध में पक्षी विशेषज्ञ डॉ सुशील दत्ता ने बताया कि ये पक्षी किसी बड़ी झील या तालाब के पास जब उपस्थित होते हैं तब ऐसा माना जाता है कि अब मौसम में बदलाव होगा और आंधी व वर्षा की संभावना रहेगी। इन पक्षियों के संबंध में यह भी विशेष तथ्य है कि ये पक्षी झुंड में कहीं पर भी रहते हुये अपने आसपास की साफ सफाई अच्छे से करते हैं।

हादसे में मृत मां-बाप को घायल बेटी ने दी मुखाग्नि, देखकर लोगों की आंखे हुई नम

बलौदाबाजार (आरएनएस)। सड़क हादसे में मृत माता-पिता को उसकी बेटी ने अंतिम संस्कार किया। इसे देखकर गांव वालों की आंखें नम हो गई।

ज्ञात हो कि बलौदा बाजार जिले के पलारी के कुसमी के पास बीती रात सड़क हादसे में कार सवार पति पत्नी की मौके पर मौत हो गई थी। कार में सवार सराफ व्यापारी की पुत्रियां भी घायल हो गई थी। मिली जानकारी के अनुसार हादसा रायपुर से बलौदाबाजार लौटते समय पलारी के कुसमी गांव के पास हुआ। बलौदा बाजार से दुर्ग जा रही तेज़ रफ़्तार पिकअप वाहन ने कार को ठोकर मार दी। इससे मौके पर ही सराफ व्यापारी जोगेंद्र सोनी और उनकी पत्नी गीता की मौत हो गई और दोनों बेटियां घायल हो गई। शनिवार को घायल बेटी ने अपने माता-पिता को मुखाग्नि दी। इसे देखकर पूरे गांव की आंखे नम हो गई।

पुलिस प्रताड़ना से आक्रोशित हैं गोंडेरास के ग्रामीण

जगदलपुर (आरएनएस)। दक्षिण बस्तर के दंतेवाड़ा जिला के अंतर्गत पिछले दिनों नक्सलियों व पुलिस के मध्य हुई मुठभेड़ से गोंडेरास ग्राम के ग्रामीण आक्रोशित हैं। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाते हुये कहा है कि हम लोग गरीब आदिवासी जरूर हैं लेकिन इसका तात्पर्य यह नहीं कि कोई भी हमें नक्सलियों का सहयोगी बताकर पीटकर चला जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि माओवादियों की आड़ लेकर पुलिस ने पूरे गांव को ही दंडित कर दिया और लोगों को मारा पीटा भी गया।

उन्होंने पुलिस पर यह भी आरोप लगाया कि एक दिव्यांग गूंगे-बहरे व्यक्ति के साथ भी मारपीट की गई। उन्होंने कहा कि अब उन्हें संविधान का ही भरोसा है और यही संविधान आदिवासियों का बड़ा हथियार है। हम संविधान को ही हथियार बनाकर अपनी और अपने परिवारों की रक्षा करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि अब जवानों पर कार्रवाई के लिए विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा। इस ग्राम सभा में जो निर्णय होगा उसके आधार पर जवानों पर कार्रवाई तय की जाएगी। जानकारी के अनुसार इस समय ग्राम गोंडेरास के हर ग्रामीण का यही कहना है।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुये कहा कि मुठभेड़ के बाद पुलिस ने गांव के 13 लोगों को अपने साथ ले गए थे। ऐसे में ग्रामीणों ने अपनी शिकायत दर्ज करवाने और 13 निर्दोष आदिवासियों को छुड़ाने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता सोनी सोरी से गुहार लगाई थी।

जानकारी के अनुसार ग्रामीणों ने यह भी घोषणा की है कि उनके गांव में आने वाले पांच दिनों में विशेष ग्राम सभा का आयोजन होगा और ग्रामीण इस संबंध में तथा अन्य मुद्दों के संबंध में विचार कर निर्णय लेंगे।

ब्रश करने और चबाने जैसे रोजमर्रा के कामों से भी कम होती है कैलरी

इसमें कोई शक नहीं कि मोटापा लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारी है। जब आपका खानपान का तरीका सही नहीं होता और आप दिनभर एक ही जगह पर बैठकर काम करते हैं या फिर इनऐक्टिव जीवनशैली अपनाते हैं तो जाहिर सी बात है कैलरी बर्न न होने की वजह से मोटापा आपको घेर लेता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि जो काम हम रोजमर्रा में करते रहते हैं उसे भी अगर सही ढंग से कर लिया जाए तो उससे भी काफी कैलरी कम हो सकती है.... चाहे बेशक आप सिंगर न हो, लेकिन बहुत से लोगों को नहाते समय गाना गाने की आदत होती है। क्या आप जानते हैं कि नहाते समय गाना गाने से 10 से 20 कैलरी खर्च होती है। कैलरी कितनी खर्च होगी यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने ऊंचे स्वर और कितनी ऊंची आवाज में गाना गा रहे हैं।यूं तो हर कोई जानता है कि हंसने का सीधा असर हमारे स्वाथ्य पर होता हे। अगर आप 10 मिनट खुलकर हंसते हैं तो आपके शरीर की 20 से 40 कैलरी खर्च होती है। तो सिर्फ मुस्कुराइए नहीं, जब मौका मिले खुलकर हंसिए और दूसरों को भी हंसाइए।क्या आप भी उन लोगों में से हैं जो कि ब्रश करने में काफी जल्दबाजी करते हैं। वैसे कहा जाता है कि औसतन 3 मिनट ब्रश करना जरूरी होता है। ऐसा करने से करीब 10 कैलरी खर्च होती है। तो अब से ब्रश करने में कोई जल्दबाजी न करें।शॉपिंग करना तो हर किसी को पसंद होता है। ऐसे में शॉपिंग करते समय ट्रॉली अपने साथ जरूर रखें। शॉपिंग करने के दौरान आधे घंटे ट्रॉली खींचने से 100 कैलरी तक बर्न की जा सकती है। अगर आपकी ट्रॉली में वजन ज्यादा हो तो ज्यादा कैलरी खर्च होती है।

अहान पांडे के साथ डेब्यू करना चाहती है खुशी कपूर

बॉलीवुड फिल्मकार बोनी कपूर और अभिनेत्री श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर, अहान पांडे के साथ डेब्यू करना चाहती है। बोनी कपूर और श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर ने फिल्म धड़क से बॉलीवुड में एंट्री की थी।

जाह्नवी के बाद खुशी कपूर के डेब्यू की चर्चा है। नेहा धूपिया के चैट शो में खुशी कपूर से पूछा गया कि वह किस स्टार किड के साथ डेब्यू करना चाहती हैं। खुशी को आप्शन दिया गया ,शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान, चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे, जावेद जाफरी के बेटे मजान जाफरी। इस सवाल के जवाब में खुशी ने कहा, अहान पांडे। खुशी कपूर ने कहा, मैंने अहान को एक्टिंग करते देखा है इसलिए मेरा उसे चुनना ही अभी ठीक होगा। लेकिन जब ये सवाल जाह्नवी कपूर से किया गया तो उन्होंने कहा मैं चाहती हूं खुशी मिजान जाफरी संग डेब्यू करें।

डेविड और वरुण धवन पर फिर भड़के गोविंदा

बॉलिवुड अभिनेता गोविंदा पिछले कई सालों से एक हिट फिल्म के लिए तरस रहे हैं। अपनी फिल्मों की असफलता का दोष वह बॉलिवुड के कुछ लोगों पर मढ़ रहे हैं। गोविंदा बिना किसी का नाम लिए बार-बार यह कहते हैं कि बॉलिवुड के कुछ लोग उनके खिलाफ काम कर रहे हैं। वह लोग सबको भड़काते हैं और कहते हैं कि गोविंदा से दूर रहो, गोविंदा के साथ काम मत करो। गोविंदा कहते हैं, कुछ लोगों ने तो मेरे दोस्त सलमान खान को भी मेरे खिलाफ भड़का दिया है। निर्देशक डेविड धवन के साथ गोविंदा की अनबन जग-जाहिर है। एक समय था जब गोविंदा और डेविड की जोड़ी लगातार हिट फिल्में दे रही थी। लोग गोविंदा- जोड़ी पर पैसा लगाने से कतराते नहीं थे। एक बार में 75 फिल्में साइन करने वाले गोविंदा आज एक हिट फिल्म के लिए तरस रहे हैं।

पिछले काफी समय से डेविड धवन पर आग उगलने का मौका न छोड़ने वाले गोविंदा ने एक बार फिर से डेविड पर गुस्सा जाहिर किया है। मुंबई में अपनी बहन कामिनी खन्ना की किताब के लॉन्च पर पहुंचे गोविंदा से सवाल किया गया कि आपकी सुपरहिट फिल्म कुली नंबर 1 का रीमेक किया जाने वाला है। वरुण धवन आपका आइकॉनिक किरदार निभाने वाले हैं, क्या कहेंगे?

सवाल सुनकर गोविंदा की बॉडी लैंग्वेज बदल गई, वह डेविड या वरुण धवन को लेकर कोई कॉमेंट नहीं करना चाहते थे। गोविंदा ने हकलाते हुए अपनी बात शुरू कि और कहा, फिलहाल तो मैं यहां अपनी पब्लिसिटी के लिए यहां आया हूं। यहां किसी और फिल्म की पब्लिसिटी तो नहीं होगी। गोविंदा का छोटा सा यह बयान धारदार है।